ए. तृतीय वर्ष संस्कृत परीक्षा 2009–2010

तीय प्रश्नपत्र – इतिहास, दर्शन, अनुवाद, व्याकरण एवं निबन्ध

100 अंक

म –

ंस्कृत–साहित्य का इतिहास –

सके अन्तर्गत निम्नलिखित विषय निर्धारित हैं।

एवं महाभारत, महाकाव्य (ऐतिहासिक काव्यों सहित) नाटक भव एवं विकास, गद्य काव्य कथासाहित्य।

र्शन

सके अर्न्तगत निम्नलिखित विषय निर्धारित हैं–

गवद्गीता – द्वितीय अध्याय मात्र।

ारतीय दर्शन की मूल अवधारणाएं।

बौद्धदर्शन – चार आर्यसत्य, अष्टांगमार्ग

जैन दर्शन – अनेकान्तवाद, पंचमहाव्रत

वेदान्त तथा मीमांसादर्शन – अविद्या, ब्रह्म, अर्थापत्तिप्रमाण।

ांख्य–योगदर्शन – पुरुष, पुरुषबहुत्व, सत्कार्यवाद, अष्टांगयोग।

ाय–वैशेषिक – कारण, ईश्वर, वैशेषिक के पदार्थों का परिचय।

ग. अनुवाद – हिन्दी से संस्कृत में

घ. व्याकरण – इसके अन्तर्गत निम्नलिखित प्रत्ययों का अध्ययन अपेक्षित है।

कृत् प्रत्यय – क्त्वा, तुमुन्, ण्यत्, यत्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तव्यत्, अनीयर्।

तद्धित प्रत्यय – मतुप्, इन्, ठक्, त्व, तल्

स्त्रीप्रत्यय – टाप्, ङीप् ।

ङ. निबन्ध (संस्कृत भाषा में) जिसके विषय इस प्रकार होंगे :–

कालिदास, बाण, भारवि, भगवद्गीता, भारतीय संस्कृति, संस्कृत भाषा का महत्व, सत्संगति, परोपकार, उद्योग का महत्व, विद्या का महत्व, महाविद्यालय।

विस्तृत विवरण –

प्रथम खण्ड

इस खण्ड के अन्तर्गत वस्तुनिष्ठ विकल्परहित कुल दस प्रश्न पूछे जाएंगे तथा इनके लिये कुल 10 अंक निर्धारित हैं। प्रश्न समग्र पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ –

प्रथम इकाई 10 अंक

संस्कृत साहित्य का इतिहास इसके अन्तर्गत उपर्युक्त विषयों का अध्ययन अपेक्षित है।

द्वितीय इकाई – 10 अंक

दर्शन 1 – इसके अन्तर्गत उपयुर्क्त विषयों का अध्ययन अपेक्षित है।

तृतीय इकाई – 10 अंक

अनुवाद 1 – इस इकाई के अन्तर्गत हिन्दी से संस्कृत भाषा में अनुवाद करना अपेक्षित है।

चतुर्थ इकाई – 10 अंक

व्याकरण 1 – इसके अन्तर्गत उपर्युक्त विषयों का अध्ययन करना अपेक्षित है।

पंचम इकाई – 10 अंक

निबन्ध 1 – इसके अन्तर्गत उपर्युक्त विषयों का अध्ययन अपेक्षित है।

द्वितीय खण्ड

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका शत प्रतिशत विकल्प उपलब्ध रहेगा। प्रत्येक के लिये 10 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से होगा –

क. इसके अन्तर्गत संस्कृत साहित्य के इतिहास से सम्बद्ध रामायण अथवा महाभारत से विकल्प सहित प्रश्न पूछा जाएगा। 10 अंक

ख. इसके अन्तर्गत भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय से कोई भी दो श्लोक देकर एक श्लोक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

ग. इसके अन्तर्गत कोई भी दो हिन्दी भाषा में अवतरण देकर एक अवतरण का संस्कृत भाषा में अनुवाद कराया जाएगा। 10 अंक

घ. इसके अन्तर्गत कोई आठ शब्द देकर किन्हीं चार का मुख्य सूत्रनिर्देशपूर्वक प्रकृति–प्रत्यय का विवेक पूछा जाएगा। 10 अंक

ङ इसके अन्तर्गत उपर्युक्त विषयों में से किन्हीं चार विषयों को देकर एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखने के लिये कहा जाएगा। 10 अंक

तृतीय खण्ड

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्प सहित) पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना अपेक्षित है। इसके लिये 20–20 अंक निर्धारित हैं।

1. उक्त खण्ड के अन्तर्गत एक प्रश्न विकल्प सहित संस्कृत साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित बिन्दुओं पर आधारित होगा। 20 अंक

1. महाकाव्य – ऐतिहासिक काव्यों सहित
2. नाटक – उद्भव एवं विकास
3. गद्य काव्य
4. कथा साहित्य

2. उक्त खण्ड का द्वितीय प्रश्न विकल्पसहित भारतीय दर्शन की मूल अवधारणाओं पर आधारित होगा। इसका विषयनिरूपण ऊपर किया गया है। 20 अंक